ई वाहनों की बिक्री ने प्रदेश में तोड़ा रिकॉर्ड

तीन साल में आठ गुना बढ़ी मांग, 2020 में बिके थे 31 हजार, इस साल 2.25 लाख पहुंची संख्या

अभिषेक गुप्ता

लखनऊ। प्रदेश में ई वाहनों की मांग जेट की रफ्तार से भाग रही है। वर्ष 2020 में केवल 31 हजार ई वाहन बिके थे। वहीं, वर्ष 2023 के 10 महीने में ही 2.25 लाख ई वाहन बिक चुके हैं। इसी तरह हाइब्रिड वाहनों की मांग भी सात हजार से बढ़कर 28 हजार हो गई है। ई वाहनों ने पेट्रोल व एलपीजी के हाइब्रिड वाहनों को जोर का झटका दिया है। तीन साल में इनकी बिक्री दस फीसदी भी नहीं बची है।

महंगे पेट्रोल व डीजल के विकल्प के रूप में इलेक्ट्रिक वाहनों को देखा जा रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों के मुरीद दिनोंदिन बढ़ रहे हैं। हालांकि इसके बावजूद पेट्रोल व डीजल वाहनों की बिक्री पर खास असर नहीं पड़ा है। सीएनजी वाहनों की बिक्री का ग्राफ भी ऊपर चढ़ा है लेकिन एलपीजी और अन्य हाइब्रिड मॉडलों की बिक्री की हिस्सेदारी ई वाहनों ने छीन ली है।

वाहन निर्माता कंपनियों के मुताबिक पेट्रोल, डीजल और सीएनजी वाहनों की बिक्री में कोई कमी न आने के बावजूद ई वाहनों की मांग में अप्रत्याशित तेजी से साफ है कि चार पहिया वाहनों का नया तबका बाजार में आ गया है। ये तबका मध्यम वर्गीय है जिसके पास बाइक और स्कूटी है। दोपहिया वाहनों के मेंटेनेंस खर्च से भी कम पर चार पहिया ई वाहन इस वर्ग को सबसे ज्यादा रास आ रहे हैं। इसके अलावा प्रदेश में युवाओं का रुझान भी ई वाहनों की तरफ बढ़ा है। इसकी एक वजह ई वाहन बाजार में वैरायटी, तकनीक और डिजायन में आमूल-चूल बदलाव भी है। वाहन बाजार के लिए इसे अच्छा संकेत माना जा रहा है क्योंकि महज तीन साल में ई वाहनों की बिक्री करीब दस गुना बढ़ गई है।

10% बिक्री भी नहीं बची पेट्रोल व एलपीजी के हाइब्रिड वाहनों की

वाहनों की बिक्री का ग्राफ

वाहन टाइप	वर्ष 2023	वर्ष 2022	वर्ष 2021	वर्ष 2020
ई वाहन	2.25 लाख	1.63 लाख	67,000	31,000
पेट्रोल/हाइब्रिड	25,000	18,000	12,000	07,000
पेट्रोल/एलपीजी	215	390	2480	4,000
पेट्रोल/एथेनॉल	8,600	00	00	00
डीजल	2.44 लाख	2.68 लाख	2.49 लाख	2.60 लाख
पेट्रोल	21 लाख	25 लाख	23 लाख	23 लाख

- यूपी में जबर्दस्त ग्रोथ को देखते हुए वाहन कंपनियों का फोकस ज्यादा से ज्यादा चार्जिंग स्टेशन और बैटरी स्वैपिंग की व्यवस्था को अमल में लाने की है। उनके मुताबिक ई वाहनों की चार्जिंग सुविधाएं बढ़ने से अगले तीन साल में इनकी मांग 30 गुना तक बढ़ेगी और पहली बार इनकी बिक्री पेट्रोल और डीजल वाहनों से आगे निकल जाएगी।